यह भी है कि आप किसी कंवेशन को रेटीफाई तो कर देते हैं लेकिन पहले से ही बहुत सारी ऐसी शक्तियां हैं जो बाल श्रम को लेकर हमें बदनाम करने के लिए इंटरनेशनल लेबल पर काम करती हैं, वे वहां पर घूमते रहते हैं। हम यह नहीं चाहते। हम इसके लिए डिटरमिन्ड हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि हम 2007 तक चाइल्ड लेबर को इलिमिनेट करेंगे। सभी बच्चों को शिक्षा मिले इसकी एच.आर.डी. मिनिस्ट्री व्यवस्था कर रही है, इसके मूल में जो बात है वह गरीबी है। गरीबी हटाने के लिए अनेकों योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं ताकि हम उसे खत्म कर सकें। हम नहीं चाहते कि हमारे ऊपर कोई और आकर डंडा घुमाए और कहे कि आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, आप वैसा नहीं कर रहे हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अभी जो हम टेक्नोलॉजी ट्रांस्फर करते हैं–जैसे किसी का बाप गलीचे का काम करता है, उसका बेटा ...(**व्यवधान**)..

श्री सभापति: इसे छोड़िए ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: उसका बेटा सुनार ...(**व्यवधान**).. सुनार के साथ ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक मिनट सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: क्यों नहीं कर रहे हैं, यह बता रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक मिनट सुन लीजिए। देखिए, यह समस्या बहुत गंभीर है। मैं चाहूंगा कि सरकार इसे गंभीरता से ले।

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, मैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: कोई जरूरत नहीं है। नेक्स्ट क्वेश्चन।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी, चूंकि आपने इसके लिए कहा है ...(**व्यवधान**)... मैं चाहूंगी क्योंकि वे यहां बैठे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैंने आपकी तरफ से कह दिया है, आप बैठ जाइए।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: आपने कहा इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

कुटीर, खादी और ग्रामोद्योगों पर कर

*492. **श्री रमा शंकर कौशिक:** क्या कृषि और ग्रामीण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रधान मंत्री ने 14 मार्च को यह संकेत दिया था कि सरकार ने कुटीर, खादी और ग्रामोद्योग पर कर लगाने के संबंध में अंतिम निर्णय ले लिया है;

(ख) यदि हां, तो इसके कारण क्या हैं;

(ग) क्या इसके परिणामस्वरूप इन उद्योगों के समस्त उत्पादों पर दुष्प्रभाव पड़ेगा;

(घ) क्या प्रधान मंत्री ने इस बात पर भी बल दिया था कि इन उद्योगों पर कर लगाए जाने के बजाए नौकरशाही की फिजूलखर्ची को रोके जाने की आवश्यकता है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन उद्योगों पर कर लगाए जाने का औचित्य क्या है?

कृषि एवं ग्रामीण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संघ प्रिय गौतम): (क) से (ङ) जी, नहीं।

Tax on Cottage, Khadi and Village Industries

†*492. SHRI RAMA SHANKER KAUSHIK: Will the Minister of AGRO AND RURAL INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether the Prime Minister has indicated on 14th March that Government have taken a final decision to impose tax on the Cottage, Khadi and Village Industries;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether all the products of these industries would be adversely affected as a result thereof;

(d) whether the Prime Minister has also emphasized the need to check the extravagance of the bureaucrats instead of imposing tax on these industries; and

(e) if so, the details thereof, and the justification for imposing tax on these industries?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF AGRO AND RURAL INDUSTRIES (SHRI SANGH PRIYA GAUTAM): (a) to (e) No, Sir.

श्री रमा शंकर कौशिक: सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न के उत्तर में जवाब दिया है, ''जी नहीं''। मैं इसके लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग पर कोई नया कर नहीं लगाया है लेकिन अफसोस की बात यह है कि 1998-99 में जहां इसका उत्पादन 636 करोड़ रुपए था, आज वह घट गया है। सरकार की नीतियों के कारण ऐसा हो रहा है। 1998-99 से लेकर इन चार सालों में उत्पादन बहुत घटा है। सभापति जी, खादी और ग्रामोद्योग हमारी आजादी की लड़ाई की भावनाओं के साथ जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं हमारी देश की आर्थिक व्यवस्था में उसकी अनिवार्यता भी है। इसमें नौ सौ साठ करोड़ रुपए की पूंजी लगी हुई है। इससे लाखों लोगों को

†Original notice of the question was received in Hindi.

काम मिलता है, विशेष रूप से महिलाओं को जो कातने का काम करती हैं, जो अंत्योदय श्रेणी की होती हैं उन महिलाओं को काम मिलता है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ऐसी स्थिति में सरकार ने इसे प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए हैं? आज किसी सरकारी दफ्तर में खादी के कपड़े नहीं लिए जाते हैं, न तो खादी के पर्दे होते हैं और न ही चादरें खादी की होती हैं। सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या ये ऐसे उपाय करेंगे जिससे खादी और हमारा ग्रामोद्योग आगे बढ़ सके, लोगों को रोजगार मिल सके?

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, माननीय कौशिक जी बहुत विद्वान और अनुभवी आदमी हैं। मुझे खुशी है कि वे खादी पहनते हैं। उन्होंने कई सवाल पूछे हैं। सबसे पहले तो मैं यह बताना चाहता हूं कि 1997-98 में खादी का सबसे ज्यादा उत्पादन हुआ था। इसका कारण यह था कि हमारे देश में आजादी की स्वर्ण जयंती मनाई गई थी। इस कारण साधारणतया जो बीस परसेंट की रिबेट होती है वह इन वर्षों में चालीस प्रतिशत तक कर दी गई थी। लिहाजा खादी का उत्पादन भी बहुत हुआ और खादी बिकी भी। अब हाथ जोड़ कर मैं प्रार्थना करूंगा, मेरा किसी पर कोई आरोप नहीं है, खादी पहनना उन्हीं लोगों ने छोड़ दिया है जोकि खादी के पक्षधर थे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अब आप यह बात छोड़िए। ...(**व्यवधान**) इसको आप छोड़िए, आप अपनी बात करिए। ...(**व्यवधान**) अब जाने भी दीजिए। ...(**व्यवधान**) आप अपनी बात कहिए। माननीय सदस्य...(**व्यवधान**) ठीक है, ठीक है। ...(**व्यवधान**) आप बोलिए। ...(**व्यवधान**) कोई एक तो बोले। ...(**व्यवधान**) सबके बोलने से नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAJU PARMAR: What is this, Sir? He is giving a political reply. *(Interruptions)* It should be expunged from the record. *(Interruptions)*

SHRI SURESH KALMADI: These remarks should be expunged from the record. *(Interruptions)*

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने गैर जिम्मेदाराना बात कही है। उन्होंने अपना उत्तर भी नहीं दिया है। उन्होंने गैर जिम्मेदाराना ढंग से अपनी बात का प्रस्तुतिकरण किया है। उसको रिकार्ड से विलुप्त किया जाना चाहिए, यह मेरी प्रार्थना है।

श्री सभापति: मैं देख लूंगा कि क्या है। ....(**व्यवधान**) मैं देख लेता हूं।

श्री संघ प्रिय गौतम: मान्यवर, मैंने किसी का नाम नहीं लिया और न ही मैंने किसी पार्टी का नाम लिया है। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: मंत्री महोदय, आप इस पर मत जाइये। आपसे जो सवाल पूछा है सिर्फ उसका जवाब दीजिए। ...(**व्यवधान**) आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)

श्री संघ प्रिय गौतम: मान्यवर, जहां तक सरकार द्वारा कारगर उपाय किए जाने का सवाल है तो मैं बताना चाहता हूं कि एक खादी पैकेज दिया गया है उसके तहत यह है कि खादी की डिजाइनिंग हो, खादी फैशनेबल हो, खादी के गारमेंट्स तैयार करके बेचे जाएं। इसके अलावा जितने भी आउटलेट्स हैं उनका रेनोवेशन हो, मॉडर्नाइजेशन हो। फिर इसके अलावा नुमाइशें लगाई जाएं, हॉट लगाए जाएं, बाजार लगाए जाएं और उनके द्वारा खादी का प्रचार किया जाए तथा जो काम करने वाले कारीगर हैं उनके लिए बीमा योजना लागू की जाए। ये सारे कदम सरकार ने उठाए हैं और उनसे उठाए हैं और इनसे अपरोक्ष प्रोत्साहन खादी को मिल रहा है। .... (*व्यवधान*)

श्री सभापति: अभी आप ठहर जाएं। ...(**व्यवधान**) मेरे बिना पूछे बोलेंगे तो वह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

श्री रमा शंकर कौशिक: श्रीमन्, माननीय मंत्री जी ने मेरे इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया कि क्या सरकारी कार्यालयों में खादी के उपयोग के लिए आप कोई ऐसा प्रतिबंध लगायेंगे कि वहां पर सारे कपड़े खादी के हों? दूसरी बात, श्रीमन्, अभी तक खादी कमीशन और खादी बोर्ड के जो चेयरमैन होते थे, वे वही लोग होते थे जोकि खादी का काम जानते थे। श्रीमन्, अफसोस की बात यह है कि अब ऐसी परंपरा चल पड़ी है कि राजनीतिक रूप से सोच कर ही लोगों को खादी कमीशन का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और खादी बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाया जाता है। ऐसी स्थिति में मै माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**) श्रीमन्, पहले घेवर साहब जैसे व्यक्ति को, जिन्होंने अपने हाथ से खादी का काम किया और जो कंधे पर ढोकर खादी बेचते रहे, वैसे लोगों को खादी कमीशन का अध्यक्ष बनाया जाता था। आज तो राजनीतिक स्तर पर कमीशन के अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं और राज्यों के बोर्डों में भी यही स्थिति है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या वह यह निश्चित करेंगे कि जो व्यक्ति खादी का काम करता रहा हो, उसी तरह के व्यक्ति को खादी कमीशन का अध्यक्ष या खादी बोर्डों का अध्यक्ष बनाया जाएगा?

श्री संघ प्रिय गौतम: मान्यवर, पहले प्वायंट् का उत्तर है, आज सारे देश और अनेक प्रदेशों में सभी राजनीतिक दलों की सरकारें हैं, तो मैं मुख्य मंत्रियों से अपील करूंगा और प्रधान मंत्री जी से भी अपील करूंगा तथा आप सब से अपील करूंगा कि हर मुख्य मंत्री, जहां का भी है, अपने-अपने कार्यालयों और विभागों को निर्देशित करें कि वे खादी के कपड़े खरीदें।

श्री सभापति: बस ठीक है। ...(**व्यवधान**) आप बैठ जाएं। ...(**व्यवधान**)

*493. [*The questioner (Shri Jayanta Bhattacharya) was absent. For answer vide pages* 36-37.]